सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 163 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 18 जुलाई, 2024

अगर आप हर दिन ऐसे जिए जैसे कि वो आपकी जिंदगी का आखिरी दिन है, तो एक दिन आप जरूर सही हो जायेंगे।

-स्टीव जॉब्स

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

विस में हार के डर से भाजपा ने एलजी... 7 | राज्य विस चुनावों की आने लगी... 3 | भाजपा अंदरूनी कलह के दलदल... 2

यूपी बीजेपी व सरकार में कलह के बाद मचा सियासी कोहराम

कांवड़ यात्रा पर पुलिस के फरमान पर भी बवाल

- विपक्ष ने योगी सरकार और भाजपा पर किए प्रहार
- सपा प्रमुख का तंज- मानसून ऑफर है-100 लाओ और सरकार बनाओ
- बीजेपी ने सपा पर किया पलटवार
- यूपी का सौहार्द बिगाड़ना चाहती है बीजेपी, कोर्ट संज्ञान ले और कार्रवाई करे : अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा संगठन व सरकार के बीच चल रही रस्साकशी की खबरें आने के बाद बीजेपी विपक्ष के निशाने पर आ गई है। बीजेपी की अंदरुनी कलह पर तो सियासत गरमाई ही है अब योगी सरकार के कावंड यात्रा पर लिए गए फैसले को लेकर भी विपक्ष ने घेर लिया है। भाजपा ने भी पलटवार करते हुए कहा कि कभी संघर्ष किया होता तो ऐसी बाते न करते पूर्व सीएम।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा में राजनीतिक चर्चाओं के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा है कि मानसून ऑफर है- 100 लाओ और सरकार बनाओ। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, अगर भाजपा में कोई भी नेता 100 विधायकों का समर्थन जुटा लेता है तो सपा मुख्यमंत्री पद के लिए उसे समर्थन दे सकती है। इसे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से जोड़कर देखा जा रहा है। केशव प्रसाद मौर्य ने भी अखिलेश को घेरा है।

लौट के बुद्धू घर को आए : अखिलेश

दिल्ली से केशव के लखनऊ लौटने पर अखिलेश ने कटाक्ष भी किया है- लौट के बुद्धू घर को आए। यहां बता दें कि केशव प्रसाद मौर्य ने भी बुधवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर एक्स के जरिये हमला बोलते हुए उन्हें सपा बहादुर की संज्ञा देते हुए कहा था कि यूपी और केंद्र दोनों ही जगह मजबूत सरकार है। 2017 की तरह 2027 में भी हम यूपी में सरकार बनाएंगे। उन्होंने सपा के पीडीए को धोखा करार दिया था।

मुजफ्फरनगर पुलिस का फरमान सामाजिक अपराध : सपा प्रमुख

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा जारी किए गए आदेश को सामाजिक अपराध बताया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट को ऐसे मामलों का स्वतः संज्ञान लेना चाहिए और जांच करवाकर दंडात्मक कार्रवाई करनी चाहिए। मुजफ्फरनगर पुलिस ने कांवड़ यात्रा को लेकर जारी किए गए फरमान में कहा है कि सभी दुकानदार दुकान के बाहर अपना नाम जरूर लिखें। ऐसे आदेश सौहार्द के शांतिपूर्ण वातावरण को बिगाड़ना चाहते हैं। जिसका नाम गुड्डू, मुन्ना, छोटू या फत्ते है, उसके नाम से क्या पता चलेगा?

अयोध्या में अवैध तरीके से करोड़ों के भुगतान, जांच की जाए : अजय राय

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मंत्री अजय राय ने गुजरात की कंपनी को अवैध तरीके से करोड़ों रुपये के भुगतान का आरोप लगाया है। उन्होंने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अयोध्या नगर निगम द्वारा बिना टेंडर आउटसोर्सिंग के गुजरात से जुड़ी एक कंपनी को पिछले तीन सालों से करोड़ों का अवैध तरीके से भुगतान किया गया। उन्होंने लिखा कि एबी इंटरप्राइजेज नामक कंपनी का पता मेहसाणा गुजरात का है। इस कंपनी के जरिए तीन साल से बिना टेंडर के हजारों आउट सोर्सिंग कर्मचारियों को विस्तार दिया जा रहा है। 2020-2021 में इसका पहली और अंतिम बार टेंडर हुआ था, तब से कोई टेंडर न देकर इसको विस्तार पर विस्तार देकर रुपये डकारे जा रहे हैं।

खुद की कोई कुव्वत नहीं, ऑफर बांटते फिर रहे : भाजपा

अखिलेश के इस पोस्ट के जवाब में बीजेपी की तरफ से भी प्रतिक्रिया आई है। बीजेपी नेता आलोक अवस्थी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव को जवाब दिया। उन्होंने लिखा कि अगर संघर्ष कर पार्टी खड़ी की होती तो आज ऑफर नहीं देने पड़ते। पार्टी पर कब्जा करने वाले अखिलेश के राज को जनता भूलीनहीं है,अपराधियों, बलात्कारियों, लव जिहादियों, आतंकवादियों, भूमाफियों, रंगदारों, भ्रष्टचारियों, युवाओं के रोजगार ठगने वालों की समर्थक सरकार को जनता ने ठिकाने लगाया है आगे भी लगाएगी। इसलिए ऑफर बांटते फिर रहे हैं, क्यों की खुद की कोई कुव्वत नहीं है।

नीट पेपर लीक में सीजेआई ने पूछे तीखे सवाल

- चंद्रचूड़ बोले- फैक्ट्स पर बात करें, छात्र फैसले का कर रहे इंतजार
- सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि नीट-यूजी 2024 की दोबारा परीक्षा केवल ठोस आधार पर ही संभव हो सकती है क्योंकि मेडिकल प्रवेश परीक्षा की पवित्रता बड़े पैमाने पर प्रभावित हुई है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने यह सख्त टिप्पणी तब की जब उनकी अगुवाई वाली पीठ ने एनईईटी-यूजी विवाद से संबंधित कथित कदाचार और अनियमितताओं से संबंधित 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की। मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील नरेंद्र हुडा से कहा कि यह स्पष्ट करना होगा कि पेपर लीक इतना व्यवस्थित था और इसने पूरी परीक्षा को प्रभावित किया, जिससे पूरी परीक्षा को रद्द करना जरूरी हो गया।

हम दोबारा परीक्षा का आदेश नहीं दे सकते : चंद्रचूड़

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने सुनवाई के दौरान कहा, केवल इसलिए कि 23 लाख में से केवल 1 लाख को ही प्रवेश मिलेगा, हम दोबारा परीक्षा का आदेश नहीं दे सकते। दोबारा परीक्षा इस आधार पर होनी चाहिए कि पूरी परीक्षा प्रभावित हो। सुप्रीम कोर्ट ने पेपर लीक विवाद के सामाजिक प्रभाव को रेखांकित करते हुए गूगल बनाम भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और आयकर रिटर्न से संबंधित मामलों पर एनईईटी सुनवाई को प्राथमिकता दी। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि लाखों छात्र इस मामले में नतीजे का इंतजार कर रहे हैं क्योंकि पीठ ने अन्य मामलों को स्थगित कर दिया।

एनटीए ने सभी अभ्यार्थियों का रिजल्ट घोषित नहीं किया : याचिकाकर्ता के वकील

मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने अपनी दलील में कहा कि एनटीए ने सभी अभ्यार्थियों का रिजल्ट घोषित नहीं किया है। जबकि दूसरी परीक्षाओं में ऐसा नहीं किया गया है। इसपर सीजेआई चंद्रचूड़ ने पूछा कि सरकारी कॉलेजों में कितनी सीटें हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने जवाब दिया कि कुल सीटों की संख्या 56 हजार हैं। ऐसे में कम से कम एक लाख छात्रों का रिजल्ट घोषित किया जाना चाहिए। इसपर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि क्या आपके हिसाब से कुछ लोग 1 लाख 8 हजार के केटेगरी में आ गए है? आप पहले फैक्ट्स पर बात करें।

भाजपा अंदरूनी कलह के दलदल में धंसती जा रही : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख बोले - कुर्सी की लड़ाई में जनता को भूली यूपी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा ने मची आंतरिक रस्सकशी पर विपक्ष ने भी हमला करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस, सपा ने तंज कसते हुए कहा कि कुर्सी की लड़ाई में जनता का बीजेपी सरकार को ध्यान नहीं है। विपक्ष ने दावा किया है कि यह यूपी में भाजपा में असंतोष का संकेत है। सपा अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया कि सत्ता के लिए भाजपा की लड़ाई का मतलब है कि वह जनता के बारे में नहीं सोच रही है।

अखिलेश ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, भाजपा की सत्ता की लड़ाई की गर्मी में यूपी में शासन-प्रशासन ठंडे बस्ते में चला गया है। तोड़फोड़ की जो राजनीति भाजपा दूसरे दलों में करती थी, वही अब अपनी पार्टी के अंदर भी कर रही है। इसीलिए भाजपा अंदरूनी कलह के दलदल में धंसती जा रही है। भाजपा में कोई भी जनता के बारे में नहीं सोचता। अमेठी से कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि यह भाजपा के अंदर व्याप्त आक्रोश का संकेत है जिसे उत्तर प्रदेश का हर व्यक्ति महसूस कर सकता है।

अखिलेश यादव ने बुधवार सुबह मीडिया को संबोधित करते हुए बयान दिया था कि यूपी में भाजपा सरकार कमजोर हो गई है। इसलिए ये लोग अपने फैसले वापस ले रहे हैं। भाजपा के लोगों ने कुर्सी की लड़ाई में सब खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी खुद स्वीकार कर रहे हैं कि दलाली हो रही है। ये लोग कमजोर पड़ गए हैं। उपचुनाव के कारण शिक्षकों के डिजिटल अटेंडेंस का फैसला टाला गया है। इन लोगों ने कुर्सी के चक्कर में जनता को अपने हाल पर छोड़ दिया है जिस पर डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने अब जवाब दिया है।

सपा के गुंडाराज की वापसी असंभव : केशव

उधर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि यूपी में सपा के गुंडाराज की वापसी असंभव है। भाजपा 2027 में 2017 दोहराएगी। बता दें कि 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने सहयोगी दलों के साथ मिलकर 325 सीटों पर जीत दर्ज की थी। केशव मौर्य ने सोशल साइट एक्स पर कहा कि सपा बहादुर खिलेश यादव जी, भाजपा की देश और प्रदेश दोनों जगह मजबूत संगठन और सरकार है। सपा का पीडीए धोखा है।

'पहले भी बीजेपी में ऐसा हो चुका है'

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि कल्याण सिंह के उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहते हुए भी यही हुआ था और अब यह तो समय ही बताएगा कि दूसरा कल्याण सिंह उभरता है या नहीं।

पूरे दमखम से प्रदेशों के चुनाव भी मिलकर लड़ेंगे कांग्रेस-सपा

सपा और कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव साथ में मिलकर लड़ा था। यह गठबंधन प्रदेश में होने वाले उपचुनावों में भी दिख सकता है। यूपी की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में कांटे की टक्कर रहेगी। सत्ताधारी भाजपा की ओर से जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कमान संभाल ली है, वहीं सरपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी यह चुनाव कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ने के संकेत दिए हैं। सूत्र बताते हैं कि इसके एवज में कांग्रेस महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा के चुनाव में सपा को सीटें देगी। यूपी समेत अन्य राज्यों के चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अखिलेश यादव के बीच ही होगी।

विधानसभा की तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मंगलवार को सपा लोहिया वाहिनी वाराणसी के कार्यकर्ताओं ने पार्टी मुख्यालय में भेंट की। अखिलेश ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी अभी से शुरू कर दें। बूथ स्तर तक अपना संगठन मजबूत करें। मतदाताओं से मिलते रहें और उनके सुख-दुख में शामिल होकर विश्वास जीतें। सूत्रों के मुताबिक, अखिलेश यादव ने विधानसभा सीट की मिल्कीपुर सीट से सांसद अवधेश प्रसाद के पुत्र अजीत प्रसाद को लड़ाने का इशारा स्थानीय पदाधिकारियों को कर दिया है। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा बाद में की जाएगी। यह सीट अवधेश प्रसाद के फैजाबाद (अयोध्या) से सांसद चुने जाने के चलते खाली हुई है।

भाजपा ने सौंपी चुनाव में मिली हार की वजहों पर रिपोर्ट

» पीएम मोदी और अमित शाह से मिले प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और राज्य में पार्टी के संगठनात्मक मामलों से जुड़े कई मुद्दों पर बात की। इससे पहले चौधरी और राज्य के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी अलग-अलग मुलाकात की थी।

मुलाकातों का यह सिलसिला राज्य में पार्टी के भीतर से असंतोष के स्वर उभरने के संकेत के बीच चला है। लोकसभा चुनावों में यूपी में भाजपा को सपा-कांग्रेस गठबंधन के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। पार्टी के नेता भी मानने लगे हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ केशव प्रसाद मौर्य के मतभेद हैं। राज्य पार्टी की बैठक में मौर्य ने आदित्यनाथ और नड्डा की मौजूदगी में कहा था कि संगठन हमेशा सरकार से बड़ा होता है और कोई भी संगठन से बड़ा नहीं हो सकता है। उनके इस बयान को भी कई राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने योगी के लिए एक संदेश बताया था। उपमुख्यमंत्री ने बुधवार को अपने कार्यालय के हैंडल से भी 'संगठन सरकार से बड़ा है...' वाली टिप्पणी पोस्ट कर विवाद को और बढ़ा दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में चुनावी हार के लिए अति आत्मविश्वास को जिम्मेदार ठहराया और सुझाव दिया कि पार्टी विपक्षी इंडिया गठबंधन के अभियान का प्रभावी ढंग से मुकाबला नहीं कर सकी। राज्य के कई भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री की कार्यशैली की आलोचना की है।

संगठन और सरकार एक दूसरे के पूरक : बीएल वर्मा

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के 'संगठन सरकार से बड़ा है' वाले पोस्ट के बाद भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा ने कहा, मैं भी पार्टी का कार्यकर्ता हूं। हम सभी पार्टी कार्यकर्ताओं का सम्मान करते हैं। संगठन का काम संगठन करता है और सरकार सरकारी काम करती है। संगठन और सरकार मिलकर राज्य (यूपी) के विकास के लिए काम कर रहे हैं। संगठन और सरकार दोनों का अपना स्थान है। संगठन और सरकार एक दूसरे के पूरक हैं। मौर्य, चौधरी और नड्डा की बैठक पर वर्मा ने कहा कि इस तरह की ये औपचारिक और अनौपचारिक चर्चाएं और बैठकें होती रहती हैं, और इनका आकलन करने की कोई जरूरत नहीं है। यूपी में हार पर विचार-मंथन के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, हम आगे बढ़ेंगे। परिणाम चाहे जो भी हो, चिंतन और मंथन जरूरी है।

भाजपा प्रत्याशी के निर्वाचन को पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह की चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। राजगढ़ लोकसभा से कांग्रेस के पराजित उम्मीदवार और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भाजपा प्रत्याशी के निर्वाचन को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि चुनाव परिणाम को भौतिक रूप से प्रभावित किया गया है। याचिका पर सुनवाई अगले सप्ताह संभावित है।

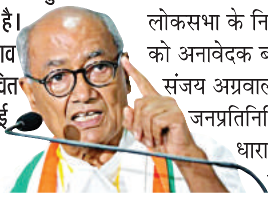

गौरतलब है कि लोकसभा में राजगढ़ लोकसभा सीट से प्रत्याशी व पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को लगभग डेढ़ लाख मतों से पराजय का सामना करना पड़ था। याचिका में केन्द्रीय चुनाव आयोग तथा राजग? लोकसभा के निर्वाचन उम्मीदवार रोडमल नगर को अनावेदक बनाया गया है। उनके अधिवक्ता संजय अग्रवाल ने बताया कि चुनाव याचिका जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 80 के साथ धारा 100 के तहत दायर की गई है।

उधार के आइडिया पर श्रेय लेना बंद करें सीएम : जीतू पटवारी

» सीएम तीर्थ दर्शन योजना के विस्तार पर कांग्रेस अध्यक्ष का तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने तंज कसते हुए एक्स के माध्यम से कहा है कि मुख्यमंत्री जी, उधार के आइडिया पर श्रेय लेना अच्छी बात नहीं, आपने कोई महान काम नहीं किया है। पूर्व से चली आ रही एक योजना को तुलनात्मक रूप से ज्यादा खराब ढंग से सिर्फ लागू ही किया है।

पूरे राज्य में बुजुर्ग समस्याओं से परेशान

मध्य प्रदेश में वरिष्ठ नागरिकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं की कमी है। सरकारी अस्पतालों में संसाधनों की सबसे ज्यादा कमी है और निजी अस्पतालों में इलाज महंगा है। भावनात्मक दृष्टिकोण से वैसे तो वृद्धाश्रम की आवश्यकता ही नहीं होनी चाहिए! लेकिन, निराश्रित बुजुर्गों के लिए अभी भी पर्याप्त संख्या में वृद्धाश्रम नहीं हैं! जो हैं, वे अक्सर अत्यधिक भीड़भाड़ वाले होते हैं! पेंशन योजनाओं की अपर्याप्तता और आर्थिक सहायता के अभाव में वृद्ध लोग आर्थिक रूप से असुरक्षित महसूस करते हैं! सरकार को व्यापक सर्वे करवा कर इस जमीनी हकीकत को स्वीकार करना चाहिए!

जीतू पटवारी ने आगे लिखा यदि भाजपा सरकार ईमानदारी से मध्य प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों की समस्या को सुनना, समझना और समाधान करना चाहती है, तो पहले उनकी प्राथमिक परेशानियों को दूर करे। मैं आपके संज्ञान में बहुत ही बुनियादी मुद्दे ला रहा हूं यह अपेक्षा भी कर रहा हूं कि सरकार पहले ऐसी सभी समस्याओं को सूचीबद्ध करे और फिर समाधान का सार्वजनिक वादा करे।

दिल्ली वालों को बेघर करने में लगे हुए हैं भाजपाई : दुर्गेश

» झुग्गियों पर कार्रवाई से आप व केंद्र सरकार में ठनी

» बोले आप नेता - भाजपा के सातों सांसदों ने 11 साल नहीं किया कोई काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा की केंद्र सरकार की एजेंसियों द्वारा दिल्ली की झुग्गियों में तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू करने पर आम आदमी पार्टी ने जोरदार हमला किया है। आप के वरिष्ठ नेता और विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा कि दिल्ली में 2014 से सातों सांसद भाजपा के हैं। इन 11 सालों में इन्होंने कोई काम नहीं किया है और अब ये लोग दिल्ली को तोड़कर बर्बाद करने में लगे हुए हैं।

भाजपा की केंद्र सरकार की एजेंसी रेलवे ने पटेल नगर व बरार स्क्वायर की

हजारों झुग्गियां तोड़ने का नोटिस लगाया है, लेकिन वहां की भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज प्रभावित लोगों के फोन तक नहीं उठा रही हैं। कुछ दिन पहले, डीडीए ने चांदनी चौक इलाके में कई झुग्गियों को तोड़ दिया, लेकिन स्थानीय सांसद प्रवीण खंडेलवाल का कोइ अतापता नहीं है। इन दोनों कार्रवाइयों में भाजपा सांसदों की चुप्पी यह बता रही है कि इस तोड़तोड़ की कार्रवाई में इनका पूरा समर्थन है। उन्होंने कहा, एक तरफ भाजपा व उसके सांसद दिल्ली की झुग्गियां तुड़वा कर लोगों को बेघर करना चाहते हैं तो दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी लोगों को कानूनी मदद दे रही है।

राज्य विस चुनावों की आने लगी आहट

हरियाणा, बिहार व महाराष्ट्र में बढ़ने लगी सियासी हलचल

- » भाजपा, कांग्रेस, राजद, जदयू ने कसी कमर
- » बड़े नेताओं के दौरे हुए तेज
- » हरियाणा के सात जिलों की विधानसभा सीटों पर शाह की नजर
- » अपनी पार्टी से नाराज चल रहे केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी की सुगबुगाहट शुरू होने लगी है। हरियाणा, बिहार से लेकर महाराष्ट्र तक सभी राजनैतिक दलों ने कमर कसना शुरू कर दी। भाजपा, कांग्रेस, यूबीटी, राजद से लेकर जदयू तक ने अपनी-अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। सारे सियासी दलों के दिग्गज नेता चुनावी राज्यों में दौरे करने लगे हैं। इसी कोलकर भाजपा, के अमित शाह, राजद के तेजस्वी यादव व यूबीटी के उद्धव तक चुनावों के मद्देनजर कार्यकर्ताओं में जोश भरने में लग गए हैं।

पिछले 20 दिनों के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह हरियाणा में दूसरी बार पहुंचे। इस बार बीसी सम्मान सम्मेलन के सहारे दक्षिणी हरियाणा के अहीरवाल क्षेत्र को साधने महेंद्रगढ़ गए। शाह मंगलवार सुबह 11 बजे हेलिकॉप्टर के माध्यम से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पहुंचें। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली सहित केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक व प्रदेशभर से पार्टी पदाधिकारी शामिल थे। इससे पहले केंद्रीय मंत्री 29 जून को पंचकूला में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करने पहुंचे थे। अमित शाह का दक्षिणी हरियाणा का ओबीसी सम्मान समारोह कार्यक्रम में अहीरवाल को साधने का प्रयास रहेगा। कार्यक्रम में दक्षिणी हरियाणा के विशेषकर महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, चरखी दादरी, भिवानी, झज्जर, गुरुग्राम, मेवात सहित अन्य जिलों की विधानसभा सीटों पर ओबीसी के बड़े वोट बैंक को साधने पर नजर है। अब विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा का दक्षिणी हरियाणा पर फोकस है। लोकसभा चुनाव से पहले स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 मई को गांव पाली में ही चुनावी रैली को संबोधित करने पहुंचे थे।

दक्षिणी हरियाणा के अहीरवाल के नेता एवं केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह खुले मंच से पार्टी में भितरघात का जिक्र कर चुके हैं, साथ ही उन्होंने हाल ही में लोकसभा चुनाव में जीत के बाद अपने धन्यवादी दौरों पर प्रदेश सरकार को भी चेताया था। उन्होंने खुलकर कहा था कि प्रदेश में सरकार बनने का रास्ता दक्षिणी हरियाणा से होकर गुजरता है। राव पार्टी से नाराज चल रहे हैं। अमित शाह अहीरवाल की राजनीति में बड़े बदलाव का भी संकेत दे सकते हैं।

यात्राओं से आमजन से जुड़ रहें हैं नेता प्रतिपक्ष

इतना ही नहीं राहुल गांधी असम और मणिपुर भी पहुंच गए। असम में उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की जबकि मणिपुर में राहुल ने राहत शिविरों का दौरा किया और केंद्र की मोदी सरकार से कई सवाल भी पूछे। राहुल लगातार प्रधानमंत्री से मणिपुर का दौरा करने की अपील कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि वह राज्य में हिंसा भड़कने के बाद तीसरी बार पहुंचे थे लेकिन स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वह अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली भी पहुंचे जहां उन्होंने आम लोगों से मुलाकात की। राहुल और कांग्रेस को लग रहा है कि जनीन पर संघर्ष के साथ ही उनकी पार्टी एर बार फिर उभर सकती है। राहुल गांधी की जमीनी सक्रियता को देखें तो ऐसा लगता है 99 सीटों से कांग्रेस को एक संजीवनी बूटी मिली है जिसकी बदौलत पार्टी एक बार फिर से उभरने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा राहुल गांधी अपने जमीनी कार्यकर्ताओं को यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि जो लोग हमें खत्म करने की बात कर रहे हैं वह कमजोर हो चुके हैं। हमें जमीन पर मेहनत करनी चाहिए और पार्टी एक बार फिर से मजबूती के साथ उभर सकती है। राहुल गांधी अपने भीतर के जुझारूपन को दिखाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह बना रहे। यही कारण है कि गुजरात जैसे राज्य का दौरा करने के दौरान वह दावा कर रहे हैं कि हम यहां भी भाजपा को हराने जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा और भारत छोड़ो न्याय यात्रा की बदौलत देश की जमीनी हकीकत को समझा। इन दोनों यात्राओं ने उन्हें जमीन का नेता बनने में अहम भूमिका निभाई है। साथ ही साथ यह भी दावा किया जा रहा है कि राहुल गांधी को अब लगने लगा है कि एकजूटता और जमीनी लड़ाई के आधार पर भाजपा को आसानी से हराया जा सकता है। इसका बड़ा कारण उत्तर प्रदेश के चुनावी नतीजे हैं। राहुल गांधी ही थे जिन्होंने लगातार इंडिया गठबंधन की वकालत की। मन मुताबिक सीटें नहीं मिलने के बावजूद भी उन्होंने गठबंधन को बनाए रखना जरूरी समझा।

सपा नफा-नुकसान का आकलन करके बनाएगी रणनीति

सपा और कांग्रेस के रिश्ते आगे कितना मजबूत रहेंगे, यह तो भविष्य बताएगा, लेकिन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की ओर से उछाले गए दोनों दलों के सियासी रिश्तों के भविष्य के मुद्दे ने सपा के भीतर हलचल जरूर पैदा कर दी है। भाजपा के इस पैंतरे पर सपा व कांग्रेस में बड़े स्तर पर भले ही कोई चर्चा न दिख रही हो, लेकिन अंदरखाने इस दोस्ती के नफा-नुकसान का आकलन लगातार चल रहा है। भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने यूं ही सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को सावधान करने का दांव नहीं चला है। यूपी की राजनीति के जानकार अच्छी तरह से जानते हैं कि कांग्रेस के पतन पर ही सपा व अन्य क्षेत्रीय दलों की इमारत खड़ी हुई थी। सपा में अब मुस्लिम वोट बैंक पर कांग्रेस की नजर की

चर्चा आम है। पार्टी के दिग्गज भविष्य में इसके नुकसान के लिए आगाह भी कर रहे हैं। सांविधानिक पद पर रहे सपा के एक नेता कहते हैं कि विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस का साथ लेना या इस चुनाव में यहां कांग्रेस का पैर जमाना दूरगामी राजनीति के लिहाज से सपा के लिए नुकसानदायी हो सकता है। यही वजह है कि सपा हरियाणा व महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों के चुनाव में इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस से सीटें मांग रही है। अगर बात मानी जाती है तो ठीक, वरना कांग्रेस का विपरीत रुख राज्य विधानसभा चुनाव में सपा को अलग राह पकड़ने का अवसर देगा। राजनीति विशेषज्ञ कहते हैं कि कांग्रेस का यूपी में कोई वोटबैंक नहीं बचा है। जाहिर है यहां कांग्रेस जो भी हासिल करेगी, वो भाजपा विरोधी सहयोगी दलों का ही हिस्सा होगा। इसका सीधा फायदा कांग्रेस को मिलेगा। बता दें, पिछले साल हुए मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने सपा के दावे को नहीं माना था। तब अखिलेश यादव ने सार्वजनिक मंच से कहा था कि कांग्रेस और भाजपा में कोई अंतर नहीं है।

दक्षिणी हरियाणा के सात जिलों में हैं 24 विधानसभा सीटें

दक्षिणी हरियाणा के महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, चरखी दादरी, भिवानी, झज्जर, गुरुग्राम, मेवात सहित अन्य जिलों की 24 विधानसभा सीटों पर ओबीसी के बड़े वोट बैंक को साधने पर भाजपा की नजर है। भिवानी, महेंद्रगढ़, गुरुग्राम और झज्जर जिले की चार-चार, रेवाड़ी व मेवात की तीन-तीन और चरखी दादरी की दो विधानसभा सीटें पड़ती हैं। इन सभी विधानसभा सीटों को लेकर ही भाजपा ने महेंद्रगढ़ में ओबीसी सम्मान समारोह रखा है।

लोस चुनाव बाद भी चुनावी मोड में हैं राहुल

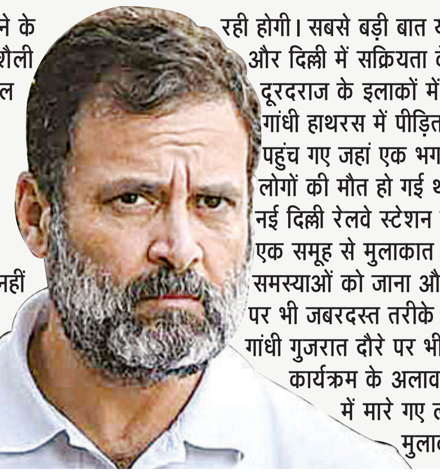

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के 99 सीटें आने के बाद उसके वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के कार्यशैली में बड़ा बदलाव साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। विपक्ष के नेता के तौर पर पदभार संभालने के बाद राहुल गांधी की जमीनी सक्रियता लगातार जारी है। अक्सर ऐसा होता है कि बड़े चुनाव के बाद नेता कुछ दिनों के लिए ब्रेक पर चले जाते हैं। लेकिन राहुल गांधी के साथ इस बार ऐसा दिखाई नहीं दे रहा है। संसद के उद्घाटन सत्र में ही उन्होंने बता दिया कि इस बार उनकी भूमिका अलग रहने वाली है। जो कि कहीं ना कहीं भाजपा को टेंशन में ला रही होगी। सबसे बड़ी बात यह है कि सोशल मीडिया और दिल्ली में सक्रियता के अलावा राहुल गांधी दूरदराज के इलाकों में भी जा रहे हैं। राहुल गांधी हाथरस में पीड़ितों से मुलाकात करने पहुंच गए जहां एक भगदड़ में 120 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद उन्होंने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोको पायलट की एक समूह से मुलाकात कर ली। उनकी समस्याओं को जाना और इस बहाने सरकार पर भी जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। राहुल गांधी गुजरात दौरे पर भी गए जहां उन्होंने पार्टी कार्यक्रम के अलावा राजकोट अग्नि त्रासदी में मारे गए लोगों के परिवारों से मुलाकात की।

बिहार चुनाव में कानून व्यवस्था को लेकर राजद व बीजेपी-जदयू में मचेगी रार

बिहार में पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता की हत्या के बाद से राजद ने एनडीए सरकार को घेरा। आगामी विधान सभा-25 के चुनावों में राजद नेता तेजस्वी यादव ने राज्य की कानून व्यवस्था को बड़ा मुद्दा बनाने की योजना बनाइ है। वहीं पुलों के गिरने को भी राजद ने चुनावों में उठाकर भाजपा व जदयू को घेरने की तैयारी कर ली है। उधरबिहार सरकार के मंत्री और जेडीयू नेता विजय चौधरी ने कहा कि यह एक दुखद घटना है। सरकार इसे गंभीरता से ले रही है। उन्होंन कहा कि प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि अपराधी किसी भी हालत में बच न सकें। मुकेश सहनी राज्य में मंत्री रह चुके हैं और एक पार्टी के संस्थापक हैं, इसलिए यह मामला बेहद गंभीर है। जो भी दोषी होगा उसे बख्शा नहीं जाएगा। इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। बिहार के मंत्री मदन सहनी ने कहा कि पुलिस अधिकारी मौके पर हैं और जांच जारी है। मुकेश सहनी के पिता के आवास पर कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हम आपको आश्वस्त करते हैं कि त्वरित कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि हम उनके प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए। इसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए कि उनकी हत्या क्यों की गई। बिहार के मंत्री नितिन नबीन ने कहा कि तत्काल प्रभाव से एसआईटी का गठन कर दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। हत्या के संभावित कारणों में आपसी दुश्मनी या अन्य प्रमुख कारण लग रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार तत्काल प्रभाव से मामले की जांच कराएगी और सच्चाई लोगों के सामने आएगी। जंगलराज तब था जब अपराधी तेजस्वी यादव के आवास में छुपे रहते थे और वहीं से संचालित होता था। हमारी सरकार में अपराधियों को पता है कि देर-सबेर उन्हें उनके अपराध की सजा मिलेगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

घर में घुसकर कब मारेंगे सरकार !

"अब समय आ गया है कि रक्षा मंत्रालय इन घटनाओं को रोकने के लिए कारगर व ठोस कदम उठाए। वहीं लगभग भारत के सभी सियासी दल इसबर मुख है। ज्ञात हो कि डोडा मुठभेड़ में सेना के 4 जवान शहीद हुए हैं। शहादत को चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। असदुद्दीन ओवैसी ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि पीएम मोदी कहते थे घर में घुस कर मारेंगे।

नौ जून से15 जुलाई के बीच जम्मू-कश्मीर में कई आतंकी हमले हो चुके है। इन हमलों में 20 से ज्यादा जवान बलिदान हो गए। कई आम जन भी हताहत हुए। पूरा विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर है। पर सरकार है कि कुछ बोलती नहीं है। कुल मिलाकर घर में घुसकर मारने की बात करने वाले प्रधानमंत्री मौन हो गए हैं। पीएम ऐसे शांत बैठें हैं जैसे की कश्मीर के हालात सामान्य हैं जबकि रोज कोई न कोई आतंकी घटनाएं घटित हो रही है। इन घटनाओं से वहां के नागरिक दहशत में आ रहें हैं। वहीं बीजेपी सरकार द्वारा धारा 370 हटाने के बाद हालात सुधारने की बात कही जा रही थी उस पर भी प्रश्न चिन्ह लग रहर है। अब समय आ गया है कि रक्षा मंत्रालय इन घटनाओं को रोकने के लिए कारगर व ठोस कदम उठाए । वहीं लगभग भारत के सभी सियासी दल इसबर मुख है। ज्ञात हो कि डोडा मुठभेड़ में सेना के 4 जवान शहीद हुए हैं। शहादत को चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। असदुद्दीन ओवैसी ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि पीएम मोदी कहते थे घर में घुस कर मारेंगे। फिर यह क्या है? यह सरकार की विफलता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वे आतंकवाद पर काबू पाने में असमर्थ हैं। राहुल गांधी ने एक एक्स पोस्ट किया है।

कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार की भी आलोचना की। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जम्मू- कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवाद रोधी अभियान के बारे में राजनाथ सिंह को जानकारी दी। भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के एक समूह के खिलाफ अभियान के दौरान सेना के एक अधिकारी समेत चार कर्मी शहीद हो गए। ऐसा लग रहा है जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद एक बार फिर से पांव पसारने लगा है। पिछले एक महीने में केंद्रशासित प्रदेश में आधा दर्जन से ज्यादा आतंकी हमले हुए हैं, जिसमें भारतीय सेना के कई जवान शहीद हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में हुए इस आतंकी हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े कश्मीर टाइगर्स ने ली है, जम्मू-कश्मीर में ऑपरेट करने वाले कश्मीर टाइगर्स जैश का एक छाया आतंकवादी संगठन है, आसान भाषा में कहें तो ये पाकिस्तीनी सेना के करीबी माने जाने वाले जैश-ए-मोहम्मद के दहशतगर्दी के काम को घाटी में अंजाम देता है। कश्मीर टाइगर्स ने जून 2021 में दक्षिण कश्मीर में ग्रेनेड हमला करने की जिम्मेदारी ली थी। जम्मू-कश्मीर में भय फैलाने के लिए आतंकी अक्सर सुरक्षाकर्मियों और राजनीतिक हस्तियों को निशाना बनाते हैं। सेना को अब गंभीरता से कुछ रणनीति बदलनी होगी ताकि ऐसी घटनाएं अब घटित न हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शिक्षा के दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने का समय

अविजित पाठक

यह सवाल अकसर सामने आ खड़ा होता है कि क्यों शिक्षा पर लिखना जारी रखा जाये। शायद, इसलिए कि 'शिक्षा' को लेकर जो प्रचलित परिभाषाएं समाज ने बना रखी हैं, उनसे सहमत होना मुश्किल है। शिक्षा के अर्थ, वर्तमान युग में आम समझ के अनुसार मुख्यत: तीन हैं- (अ) शिक्षा एक प्रकार का 'प्रशिक्षण' है या 'कौशल सीखने' का जरिया (ब) शिक्षा एक किस्म से पायदान-दर-पायदान चढ़ते हुए सीखना है या यह वह राह है जिससे होकर कोई एक खास शैक्षणिक विशेषज्ञता वाली विधा में 'विशेषज्ञ' बनता है (स) यह किसी छात्र को एक 'संसाधन' में परिवर्तित करती है, जिसका उपयोग किसी आर्थिक-सैन्य-तकनीकी प्रयोजन में हो। लेकिन फिर, शिक्षा को लेकर रखे गए ऐसे संकुचित, उपयोगितावादी, तकनीकी रुख से असहज होना स्वाभाविक है।

कारण यह कि यदि शिक्षा हमारे अंदर मानवीयता, सौंदर्य बोध, नैतिकता, आध्यात्मिकता की समझ को सक्रिय न कर पाए तो यह खराब एवं खतरनाक बनी रहेगी, भले ही यह देश की आर्थिक वृद्धि दर में बढ़ोतरी के लिए 'कुशल' श्रम शक्ति क्यों न पैदा करती हो या तकनीकी-सैन्य क्षेत्र के लिए 'मानव संसाधन' पैदा करने वाली हो या फिर किसी कॉलेज, यूनिवर्सिटी को 'टॉप रैंकिंग' दिलवाने हेतु हजारों की संख्या में रिसर्च पेपर तैयार करने वाली हो। इस मामले में सख्त रुख की दरकार है। यह कहना हिचक वाली बात नहीं कि इस किस्म की मशीनी शिक्षा सैन्यीकरण, युद्ध की मानसिकता, पर्यावरणीय आपदाओं, दूसरों से नफरत करने वाले राष्ट्रवाद, धार्मिक कट्टरवाद और अति उपभोक्तावाद से मुक्त नई दुनिया बनाने में पूरी तरह अक्षम साबित हुई है। इन दिनों, हमारे पास भरमार है ऐसे विशेषज्ञों की जो अंतरात्मा विहीन हैं, तकनीक की जो आत्मा से रहित है, बाजार जो नैतिकता मूल्यों से विहीन है, और मानव संसाधन जिसमें समृद्ध अंत:करण और उच्च आदर्श नदारद हैं। शिक्षा का मौजूदा प्रचलित तरीका, शिक्षा प्राप्त कर रहे युवाओं को बेलगाम योद्धा में तबदील कर रहा है, यह स्थिति आगे ऐसी पीढ़ी बना रही है जो आनंद-विहीन एवं आक्रामक है, जिसको जरा चैन नहीं, जिसपर भय, मनोवैज्ञानिक संत्रास और आध्यात्मिक मूर्खता तारी है।

हां, यही मनोव्यथा आलोचना करने को उकसाती है। सफलता का पैमाना बना दी गईं नीट, जेईई, नेट और क्युएट

जैसी परीक्षाओं की आलोचना- इम्तिहान जो हमारे विद्यार्थियों का आनंद, विचारशीलता, आत्मबोध, सहजता से सीखना जैसी नैसर्गिकता छीन रहे हैं। 'कोटा एकेडमी संस्कृति' का निंदक होना बनता है, राजस्थान का यह शहर जीवन लीलने वाला कोचिंग-उद्योग या किशोर जीवनकाल के जादुई वर्ष छीनने वाली मशीनों का पर्याय बन गया है और उन्हें 'परीक्षा योद्धा' सरीखे रोबोट्स में परिवर्तित कर रहा है, जिन्हें केवल एक ही चीज पता है- भौतिकी या गणित के सवालों को कैसे जल्द से जल्द अथवा तत्काल हल करना है। गुस्सा आता है, उच्च शिक्षा का कॉर्पोरेटीकरण करने पर या शिक्षा का रुतबा 'प्राप्त सैलरी पैकेज' से मापने के भौंडे तरीके पर। और हां, कला एवं मानविकी को हेय गिने जाने पर चिंता उपजती है। इस संदर्भ में, शिक्षा के भुला दिए कुछ आदर्शों की याद आना समीचीन है। मसलन, संवेदनशीलता, जिस पर जिद्दू कृष्णमूर्ति बारम्बार जोर देते थे, वह जो बौद्धिकता का उच्चतम स्वरूप है- संवेदनशीलता जिंदगी के प्रति या प्रकृति के लिए। कृष्णमूर्ति युवा छात्रों को प्रेरित किया करते थे कि वे सूरज डूबने के विस्मयकारी दृश्य को पूर्ण चेतनता और समाधिस्थ अवस्था से निहारे। यह दिवास्वप्न देखने वाला निठल्लापन नहीं है, न ही समय की बर्बादी, यह भौतिकी और गणित से अल्पकालिक निजात भी नहीं है, इसकी बजाय यह सजग बनने, जागृत बौद्धिकता विकसित करने और उस स्व: को पोषित करने के लिए है, जो दुनिया से खुद का जुड़ाव बनाए। एक तरह से, यह शिक्षा का बोधात्मक, आध्यात्मिक पहलू है जो रबिन्द्रनाथ टैगोर द्वारा महज विद्यार्थियों की फौज खड़ी करने और दमनकारी शिक्षा संस्कृति की आलोचना में झलकता है और उनकी चाहत थी कि शिक्षार्थी युवाओं में कलात्मकता, सौंदर्यबोध का विकास हो। देवी प्रसाद के बारे में सोचें- एक महान कलाकार और गांधी एवं टैगोर के शिष्य!

अंतर्दृष्टि जागृत करने वाली उनकी लिखी किताब : 'आर्ट-द बेसिस ऑफ एजुकेशन' मुझे बच्चे में अंदरूनी सृजनशीलता पैदा करने की जरूरत की याद दिलाती है। जरा उस नुकसान की तीव्रता के बारे में सोचें, जो हम अपने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को पहुंचाते हैं, जब हम उन्हें अंतस से जुड़ने का खूबसूरत बोध विकसित करने से महरूम करते हैं। तब वे भय, तनाव और अति-प्रतिस्पर्धात्मकता के साथ बड़े होते हैं। ऐसे में अक्सर अमेरिकी नारीवादी विदुषी बेल हुक्स से प्रेरणा मिलती है।

'क्लीन इंदौर' के 'ग्रीन इंदौर' में तब्दील होने का जज्बा

हेमंत पाल

इंदौर को अभी तक देश में स्वच्छता, स्वाद, सहयोग, सुशासन और सहभागिता के लिए जाना जाता रहा हैं। अब यह शहर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में वृहद पौधरोपण के लिए भी दुनियाभर में जाना जाएगा। इंदौर में 12.65 लाख पौधे रोपने का यह अनोखा रिकॉर्ड पूरी दुनिया में शहर को लोकप्रियता भी दिलाएगा।

किसी शहर को जीत की कितनी आदत पड़ जाती है, यह इंदौर के बहाने देखा और समझा जा सकता है। ये वो शहर है, जो कई मामलों में देश को रास्ता दिखा चुका है। स्वच्छता में लगातार सात बार देश में नंबर वन रहने वाला इंदौर अब एक दिन में सर्वाधिक पौधे रोपने वाले शहर के रूप में भी अव्वल हो गया। इस शहर में 14 जुलाई को 12 घंटे में 12 लाख 65 हजार से ज्यादा पौधे रोपकर एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया गया, जिस पर सिर्फ इंदौर या मध्य प्रदेश ही नहीं पूरा देश गर्व कर सकता है। जब पर्यावरण की स्थिति बिगड़ रही हो, तो ऐसे अभियान किसी भी शहर के लिए मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। यही इंदौर ने भी किया। सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक 12 घंटों में इंदौर में 12 लाख 65 हजार से ज्यादा पौधे रोपे, जो कि 11 लाख की घोषणा से कहीं ज्यादा है।

वैसे घोषणा दो सप्ताह में 51 लाख पौधे रोपने की है, जो काम चल रहा है। आयोजन स्थल पर जब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रमाण पत्र सौंपा तो शहर का सीना गर्व से चौड़ा होना स्वाभाविक था। इंदौर को अभी तक देश में स्वच्छता, स्वाद, सहयोग, सुशासन और सहभागिता के लिए जाना जाता रहा हैं। अब यह शहर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में वृहद पौधरोपण के लिए भी दुनियाभर में जाना जाएगा। इंदौर में 12.65 लाख पौधे रोपने का यह अनोखा रिकॉर्ड पूरी दुनिया में शहर को लोकप्रियता भी दिलाएगा। अभी तक यह रिकॉर्ड असम के नाम था जहां एक दिन में 9 लाख 26 हजार पौधे रोपे गए थे, अब इंदौर उससे कहीं आगे निकल गया। अभी तक इंदौर को स्मार्ट सिटी, मेट्रो सिटी, क्लीन सिटी, मॉडर्न एजुकेशन हब की पहचान मिली थी, अब ये ग्रीन सिटी के नाम से भी जाना जाएगा। इस बात में भी शहर ने अपना सिर ऊपर किया कि जन सहभागिता से किसी भी अभियान को कैसे सफल बनाया जा सकता है, इंदौर ने यह फिर साबित करके दिखा दिया। इस अभियान को नाम दिया गया एक वृक्ष मां के नाम। अभियान को यह नाम भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया था।

दरअसल, ये पूरा आइडिया नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का था। जो उन्हें इसलिए आया कि पिछले कुछ महीनों में निर्माण कार्यों, नए फ्लाईओवर और मेट्रो प्रोजेक्ट की वजह से शहर में हजारों पेड़ कट गए। इसका नतीजा यह हुआ कि इस बार गर्मी के मौसम में शहर का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। जबकि, सामान्यत: इंदौर में पारा 41 या 42 डिग्री से ऊपर नहीं जाता। लोगों ने पेड़ कटने के लिए सरकार और नगर निगम पर उंगली उठाई। संभवत: तभी इस विचार ने जन्म लिया होगा, जो अपने लक्ष्य तक पहुंचा। यह अभियान किसी एक व्यक्ति या नगर निगम या संगठनों का अभियान नहीं था।

बल्कि, इंदौर के करीब 40 लाख लोगों ने इस अभियान में भाग लिया। सभी किसी ने किसी रूप में पौधरोपण के अभियान से जुड़े थे। 60 हजार लोग तो उस रेवती रेंज इलाके में सुबह से पहुंच गए थे, जहां यह अभियान होना था। शहर के करीब 200 संगठनों और 50 से ज्यादा स्कूलों के बच्चों, पुलिस और सेना के जवान और हर वो संगठन जो शहर से जुड़ा है वे अपने सदस्यों के साथ वहां मौजूद रहे। यहां तक कि सौ से ज्यादा एनआरआई ने भी पौधा रोपा। इतना ही नहीं दिव्यांगों ने भी अभियान में भागीदारी की। इस अभियान को पूरा करना बेहद मुश्किल चुनौती थी, जिसके लिए सरकार और प्रशासन को सिर्फ 46 दिन मिले। लक्ष्य के अनुरूप इतने बड़े स्थान का चयन, इतने पौधों का इंतजाम, पहले से गड्ढे खोदकर रखना, फिर आने वाले लोगों को बारिश के बीच दिनभर रोकने के इंतजाम करना भी किसी चुनौती से कम नहीं था। लेकिन, यह मौसम भी लोगों का जोश, जुनून और उत्साह नहीं तोड़ पाया। शाम को 6 बजे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के वहां मौजूद अधिकारियों ने जब यह घोषणा की, की पौधारोपण 11 लाख से कहीं ज्यादा हो गया, लोग झूम उठे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रेवती रेंज परिसर में आयोजित एक पेड़ मां के नाम अभियान कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि वे लगाए गए पौधों का अपने बेटे की तरह पालन करें। यह वृक्ष आगे एक मां की तरह आपकी चिंता करेगा। इस अभियान में सीमा सुरक्षा बल के दो हजार जवानों ने हजारों पौधों का रोपण किया। ढाई हजार से अधिक एनसीसी विद्यार्थियों ने इस अभियान में भाग लिया। मध्यप्रदेश को भारत का लंग्स भी कहा जाता है, जो पूरे देश को ऑक्सीजन देने का काम करता है। प्रदेश का 31 प्रतिशत इलाका वन क्षेत्र है और देश का 12 प्रतिशत वन क्षेत्र मध्यप्रदेश में हैं। इससे मध्य प्रदेश में पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को भी बढ़ावा मिला है। प्रदेश में 6 टाइगर रिजर्व, 11 नेशनल पार्क और 24 अभ्यारण है। यहां कूनो अभ्यारण्य में बाहर से चीते भी लाए गए हैं। लेकिन, पौधरोपण के वर्ल्ड रिकॉर्ड ने सारी उपलब्धियों को पीछे छोड़ दिया।

मानसून में अपच से राहत दिलाएंगे ये उपाय

मानसून का मौसम हमें गर्मी से राहत दिलाता है, लेकिन अपने साथ पेट संबंधी कई समस्याएं भी लेकर आता है। दरअसल, मानसून के दौरान नमी बढ़ने से बैक्टीरिया का ग्रोथ भी बढ़ जाता है। ऐसे में जानना जरूरी है कि हम अपनी गट हेल्थ को पूरी तरह से हेल्दी कैसे रख सकते हैं। भारत में मानसून का मौसम कड़ी धूप से राहत तो देता है, लेकिन अपने साथ पाचन संबंधी कई समस्याएं भी लेकर आता है। बारिश के मौसम में आपको गैस, एसिडिटी, पेट फूलना और पेट भारी रहने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम खान-पान का खास ख्याल रखें। आयुर्वेद में ऐसे नेचुरल फूड्स खाने की सलाह दी जाती है जिनमें पानी की मात्रा ज्यादा हो और जो आसानी से पच जाए। इसके बाद भी अगर आप पेट की समस्याओं से जूझते हैं तो आयुर्वेद के कुछ खास नुस्खों को फॉलो कर आप अपने गट हेल्थ को पूरी तरह से हेल्दी रख सकते हैं।

गाय का देसी घी

आयुर्वेद में गाय के घी को स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है। घी में ब्यूटिरिक एसिड पाया जाता है जो सूजन को कम करता है। इसलिए, अगर आपको पेट में दर्द रहता है, तो घी आपके लिए फ़ायदेमंद होगा। घी आंत में सूजन को कम करने में मददगार होता है। यह कब्ज दूर करने के साथ-साथ कोलन की मांसपेशियों को नरम और लचीला बनाने में भी मदद करता है। घी में ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन ए, विटामिन सी पाया जाता है जो आपके शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों को सोखने और एनर्जी देने में मदद करता है। घी में एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण भी होते हैं जो शरीर में इन्फ्लेमेशन को रोकते हैं। साथ ही यह हार्मोन संतुलन के लिए बहुत जरूरी माने जाते हैं।

गर्म ड्रिंक्स पिएं

मानसून में गर्म ड्रिंक्स पीना अच्छा माना जाता है। गट हेल्थ को हेल्दी रखने के लिए अदरक, अजवाइन, जीरा, धनिया और दालचीनी का पानी पीना चाहिए। आयुर्वेद में इन सभी को लाभकारी बताया गया है। ये सभी हर्बल ड्रिंक पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मददगार हैं। अजवाइन में एक्टिव एंजाइम होते हैं, जो पेट के एसिड के प्रवाह में सुधार करते हैं। इससे पाचन हेल्थ में सुधार होता है। इससे अपच, सूजन, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याएं दूर होती हैं। अगर आप रोज सुबह खाली पेट अजवाइन का पानी पिएंगे, तो इससे पेट और आंतों के घावों के इलाज में भी मदद मिलेगी। अजवाइन का पानी पीने से पाचन-तंत्र मजबूत बनता है। अजवाइन में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर को इंफ़ेक्शन से बचाने में मदद करते हैं।

ताजा बना खाना

भोजन को धीरे-धीरे चबाकर खाना चाहिए, इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। मानसून में संभव हो तो ताजा बना हुआ खाना करना चाहिए जिसमें चावल, जौ, गेहूं, दालें, या मूंग जैसा अनाज शामिल हो। बारिश के मौसम में सब्जियां ध्यान से चुनें। क्योंकि उनमें बैक्टीरिया हो सकते हैं जो मानसून की हवा के संपर्क में आने से पाचन क्रिया को और खराब कर सकते हैं।

फल खाएं

मौसमी फलों को खाने से शरीर को काफी फायदे मिलते हैं। अपच से राहत दिलाने में भी इन फलों का बड़ा योगदान रहता है। क्योंकि ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं इनमें कई प्रकार विटामिनस भी पाये जाते हैं। इनमें सेब, संतरा, पपीता और कीवी प्रमुख फल हैं। सेब खाने से कब्ज की समस्या दूर होने के साथ इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। संतरा में भी फाइबर, सोडियम, पोटेशियम, विटामिन सी और आयरन आदि पाए जाते हैं। पपीता शरीर को स्वस्थ रखने के साथ कब्ज को आसानी से दूर करते हैं। इसके अलावा पोषक तत्वों से भरपूर कीवी शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होती है। कीवी में मौजूद फाइबर और एंजाइम कब्ज की समस्या को आसानी से ठीक करते हैं।

अदरक का सेवन

मानसून में अगर आपको पेट दर्द है, तो सबसे पहले आपको अदरक का सेवन करना चाहिए। अदरक पित, लार और गैस्ट्रिक जूस के उत्पादन को बढ़ाता है। यह शरीर को पोषक तत्वों को जल्दी अवशोषित करने और भोजन को तेज़ी से पचाने में भी मददगार है। यह पेट दर्द के लिए एक बहुत अच्छा उपाय है और यह आंतों की सूजन को भी कम कर सकता है।

हंसना मना है

पति- ये सब्जी जो तुमने बनाई है इसका क्या नाम है? पत्नी- क्यों पूछ रहे हो? पति- मुझे भी तो ऊपर जाकर जवाब देना है जब वो पूछेंगे- क्या खाकर मरे थे? पति की इस बात को सुनकर बीवी ने उसकी बेलन से कुटाई कर दी।

टीचर- क्लास में लड़ाई क्यों नहीं करनी चाहिए? मोटू- क्योंकि पता नहीं एग्जाम में कब किसके पीछे बैठना पड़ जाए। मोटू की बात सुनकर टीचर भी सोच में पड़ गई।

पप्पू काफी देर से अपने मैरिज सर्टिफिकेट को घूर कर देख रहा था! उसकी पत्नी सोनी बोली- इतनी देर से इसे क्यों घूर रहे हो? पप्पू- इसकी एक्सपायरी डेट ढूंढ रहा हूं।

पत्नी पति से- कहां पर हो आप? पति- स्कूटर से गिर गया हूं, एक्सीडेंट हो गया है और हॉस्पिटल जा रहा हूं.. पत्नी घबराते हुए बोली- ध्यान रखना जरा, टिफिन टेढ़ा ना हो जाए, वरना दाल गिर जायेगी।

पति (पत्नी से)- जरा, पानी पीला दो, पत्नी- क्या हुआ प्यास लगी है? पति (गुस्से से)- नहीं गला चैक करना है कि कहीं से लीक तो नहीं है!

कहानी | विद्वत्ता पर कभी घमंड न करें

महाकवि कालिदास रास्ते में थे। प्यास लगी। वहां एक पनिहारिन पानी भर रही थी। कालिदास बोले- माते! पानी पिला दीजिए बङा पुण्य होगा। पनिहारिन बोली- बेटा मैं तुम्हें जानती नहीं। अपना परिचय दो। मैं पानी पिला दूंगी। कालिदास ने कहा- मैं मेहमान हूं, कृपया पानी पिला दें। पनिहारिन बोली- तुम मेहमान कैसे हो सकते हो? संसार में दो ही मेहमान हैं। पहला धन और दूसरा यौवन। इन्हें जाने में समय नहीं लगता। सत्य बताओ कौन हो तुम? तर्क से पराजित कालीदास अवाक रह गए। कालिदास बोले- मैं सहनशील हूं। अब आप पानी पिला दें। पनिहारिन ने कहा- नहीं, सहनशील तो दो ही हैं। पहली, धरती जो पापी-पुण्यात्मा सबका बोझ सहती है। उसकी छाती चीरकर बीज बो देने से भी अनाज के भंडार देती है, दूसरे पेड़ जिनको पत्थर मारो फिर भी मीठे फल देते हैं। तुम सहनशील नहीं। सच बताओ तुम कौन हो? कालिदास मुर्छा की स्थिति में आ गए और तर्क-वितर्क से झल्ला उठे! कालिदास बोले- मैं हठी हूं। पनिहारिन बोली-फिर असत्य। हठी तो दो ही हैं। पहला नख और दूसरे केश, कितना भी काटो बार-बार निकल आते हैं। कालिदास ने कहा- फिर तो मैं मूर्ख ही हूं। पनिहारिन ने कहा- नहीं मूर्ख दो ही हैं। पहला राजा जो बिना योग्यता के भी सब पर शासन करता है, और दूसरा दरबारी पंडित जो राजा को प्रसन्न करने के लिए ग़लत बात पर भी तर्क करके उसको सही सिद्ध करने की चेष्टा करता है। कालिदास वृद्धा पनिहारिन के पैर पर गिर पड़े और पानी की याचना में गिड़गिड़ाने लगे! वृद्धा ने कहा- उठो वत्स! आवाज सुनकर कालिदास ने ऊपर देखा तो साक्षात माता सरस्वती वहां खड़ी थी, कालिदास पुनः नतमस्तक हो गए, मां ने कहा- शिक्षा से ज्ञान आता है न कि अहंकार से। तूने शिक्षा के बल पर प्राप्त मान और प्रतिष्ठा को ही अपनी उपलब्धि मान लिया और अहंकार कर बैठे इसलिए मुझे तुम्हारे चक्षु खोलने के लिए ये स्वांग करना पड़ा। कालिदास को अपनी गलती समझ में आ गई और भरपेट पानी पीकर वे आगे चल पड़े।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा।

तुला

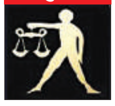

आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृषभ

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा।

वृश्चिक

व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मिथुन

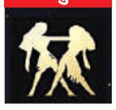

वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। लाभ होगा।

धनु

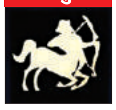

सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा।

कर्क

आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

मकर

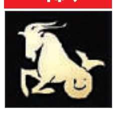

किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी।

सिंह

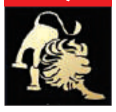

मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा।

कुम्भ

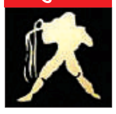

ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा।

कन्या

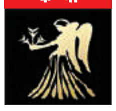

काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा। यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

मीन

किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

बॉलीवुड मसाला

अगले महीने ओटीटी पर तबाही मचाने आ रही है

हसीन दिलरुबा

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू इन दिनों अपनी शादी को लेकर ज्यादा लाइम लाइट में बनी हुई हैं। वहीं वह पिछली बार राजकुमार हिरानी की शाहरुख खान स्टारर डंकी में नजर आई थीं। अब अभिनेत्री ने फिल्म की रिलीज को लेकर बड़ा अपडेट शेयर किया है।

तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और सनी कौशल स्टारर फिर आई हसीन दिलरुबा की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। Netflix इंडिया ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और सनी कौशल हाथ में किताब लिए नजर आ रहे हैं।

शेयर किए गए वीडियो में तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और सनी कौशल हाथ में किताब दिख रही हैं। तापसी की किताब के कवर पर लिखा है- 9 अगस्त की रात टपकेगा खून,आएगा कातिलाना मानसून। विक्रांत की किताब के कवर पर लिखा है- 9 अगस्त की हसीन रात, दिलरुबा के साथ। वहीं सनी की किताब के कवर पर लिखा है- 9 अगस्त को दिल पिघलेंगे, इश्क का जहर निगलेंगे। इसके बाद किताब का ऑफिशियल कवर दिखता, जिस पर लिखा है- सबको इश्क का पाठ पढ़ाने फिर आई हसीन दिलरुबा।

Netflix इंडिया ने वीडियो को पोस्ट करते हुए बेहद आकार्षित कैप्शन लिखा है। टीम ने लिखा- 9 अगस्त की शाम, हसीन दिलरुबा के नाम। बता दें कि इस क्राइम थ्रिलर फिल्म का इंतजार फैंस को बेसब्री से हैं। फिल्म के फर्स्ट पार्ट को लोगों ने बहुत पसंद किया था।

बॉलीवुड मन की बात

मैं हर तरह के किरदार निभाना चाहती हूं : तृप्ति

रणबीर कपूर के साथ एनिमल बोल्ड सीन देकर चर्चा में आईं तृप्ति डिमरी को फैंस नेशनल क्रश घोषित कर चुके हैं। इस फिल्म से उन्हें काफी पॉपुलैरटी मिली है। इससे पहले तृप्ति 'लैला मजनू', 'बुलबुल', 'कला' जैसी शानदार फिल्मों में काम कर चुकी हैं। अब अभिनेत्री ने कॉमेडी जॉनर में अपना लक आजमाया है। उनकी फिल्म 'बैड न्यूज' 19 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अभिनेत्री की फिल्म 'बैड न्यूज' जल्द रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में उनके साथ विक्की कौशल और एमी विर्क हैं। जब एक्ट्रेस से कॉमेडी जॉनर को लेकर सवाल किया गया तो अभिनेत्री ने कॉमेडी को सबसे मुश्किल जॉनर कहा। 'बुलबुल' और 'कला' जैसी ड्रॉमा फिल्मों का हिस्सा रह चुकी अभिनेत्री ने कॉमेडी फिल्म में काम करने को लेकर अपना एक्सपीरिएंस शेयर किया है। अपने एक्सपीरिएंस को शेयर करते हुए कहा, 'मैंने हमेशा ड्रॉमा जॉनर में बहुत काम किया है, लेकिन मुझे लगता है कि एक एक्टर के रूप में, अलग-अलग जॉनर में काम करते रहना और खुद को चुनौती देते रहना जरूरी है। मुझे शुरू से ही कॉमेडी थोड़ी मुश्किल लगती है।' एक्ट्रेस ने कहा कि एक्शन, ड्रामा, कॉमेडी और हर तरह की भूमिकाएं करने की इच्छा जाहिर की हैं। तृप्ति डिमरी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही 'बैड न्यूज' में विक्की कौशल और एमी विर्क के साथ नजर आने वाली हैं। इसके बाद वह कार्तिक आर्यन और विद्या बालन के साथ 'भूल भुलैया 3' में दिखाई देंगी। एक्ट्रेस के पास 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो', और शाजिया इकबाल की 'धड़क 2' भी पाइप लाइन में हैं।

शाहरुख खान के साथ किंग में दुश्मनी निभाएंगे अभिषेक बच्चन

शाहरुख खान ने को हाल ही में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में देखा गया था। शादी में अपने लुक को शाहरुख एक्टर ने खूब वाहवाही लूटी थी। वहीं दूसरी तरफ खबर आई थी कि एक्टर अपनी फिल्म किंग की शूटिंग के कारण रिसेप्शन पार्टी में शामिल नहीं हो पाए थे। अब कहा जा रहा है कि फिल्म में फिल्म में बॉलीवुड के एक मशहूर एक्टर के शामिल होने जा रहे हैं जो विलेन के रोल में नजर आने वाले हैं।

हालिया मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विलेन के रोल के लिए मेकर्स ने अभिषेक बच्चन को फाइनल कर लिया है। सुजॉय घोष के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म में शाहरुख खान के लुक की जानकारी भी कई बार सामने आ चुकी है। बता दें कि सिद्धार्थ आनंद फिल्म में शाहरुख और अभिषेक के बीच होने वाले एक्शन सीक्वेंस को डायरेक्शन करने वाले हैं। अभिषेक बच्चन फिल्म में शाहरुख खान के साथ दुश्मन के किरदार में नजर आएंगे जिसे सुनकर फैंस काफी एक्साइटेड हो रहे हैं। किंग पहली ऐसी कॉमर्शियल फिल्म होगी, जिसमें अभिषेक बच्चन फुल फ्लेज्ड विलेन के रोल में किंग खान को टक्कर देंगे। वहीं सुहाना खान को लेकर भी खबर है कि वो फिल्म में पापा के साथ काम करेंगी।

कब रिलीज होगी किंग?

बात करें फिल्म के रिलीज डेट की तो फिलहाल ये अपने प्री-प्रोडक्शन फेज में चल रही है। इसकी शूटिंग जल्द ही शुरु होने वाली है। वहीं फिल्म को मेकर्स 2025 में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं।

सबसे खतरनाक बीच है ये, मरने वालों की संख्या का बन रहा है रिकॉर्ड

समुद्र के बीच में खतरा तो समझ में आता है। पर क्या समुद्र के तट पर वह भी बीच पर खतरा हो सकता है? क्या किसी बीच को भी सबसे खतरनाक बीच का खिताब दिया जा सकता है? जी हां, अमेरिका का एक बीच वहां का सबसे खतरनाक या सबसे घातक बीच कहा जाता है। इसलिए है क्योंकि इस खूबसूरत जगह पर बड़ी संख्या में लोग मर रहे हैं। यहां पर प्राकृतिक खतरे बने रहते हैं। फिर भी लोग यहां आना नहीं छोड़ते हैं जिससे उनकी सुरक्षा चिंता का कारण बन जाती है।

सेंट्रल फ्लोरिडा के पूर्वी तट पर स्थित इस लोकप्रिय समुद्र तट की सुंदरता और रेतीली उपस्थिति के बावजूद, इसके तटों और समुद्र में कई कारणों से लोगों की चिंताजनक मौत हुई है। न्यू स्मिर्ना बीच पर तूफानों से लेकर शार्क के हमलों और लोगों के सर्फिंग में कठिनाई का सामना करने तक, लोगों की रिकॉर्ड संख्या में मौत हुई है। यह 'सबसे घातक' बीचों की सूची में फ्लोरिडा के नौ अन्य समुद्र तटों से यह सबसे ऊपर आया है जिससे इसे अप्रिय खिताब मिला। इस महीने की शुरुआत में न्यू स्मिर्ना में अधिकारियों ने लगभग 400 समुद्र तट बचावों को चौंका देने वाला रिकॉर्ड दर्ज किया है। तेज बहाव और भीड़ का मतलब था कि यह संख्या कुछ ही दिनों में हुई। दुनिया की 'शार्क बाइट कैपिटल' कहे जाने वाले इस समुद्र तट पर 3 जुलाई से तीन हमले हुए हैं। हालांकि, सिमरिन लॉ के अनुसार, यहां कुल 185 शार्क हमले दर्ज किए गए हैं। फिर भी समुद्र तट का सबसे बड़ा नुकसान इसके तूफानों की वजह से होते हैं। वकील माइकल सिमरिन ने बताया कि शीर्ष दस सबसे खतरनाक समुद्र तटों में फ्लोरिडा के होने का क्या कारण है। उनके मुताबिक शार्क के हमले अक्सर सुर्खियां बटोरते हैं। लेकिन फ्लोरिडा के समुद्र तट हमेशा मौजूद तूफान के जोखिम के कारण इतने ऊंचे स्थान पर हैं। तूफान खतरनाक लहरें पैदा करते हैं, जिससे समुद्र तट पर जाने वालों के लिए जोखिम कुछ ज्यादा ही बढ़ जाता है। गर्मियों के करीब आने और कई अमेरिकियों के दिमाग में छुट्टियों के साथ, यह अध्ययन समुद्र तट की यात्रा पर विचार करते समय सुरक्षा को सबसे पहले रखने की अहमियत बताता है।

अजब-गजब

हर नस्ल के खतरनाक हजारों जहरीले सांप थे बिल के पास

सांप के 172 बार काटने पर भी जिंदा था युवक

अभी उत्तर प्रदेश में एक मामला सामने आया, जिसमें एक युवक को पिछले डेढ़ महीने में 7 बार सांप ने काट लिया। युवक का दावा है कि सांप ने उसके सपने में आकर कहा है कि वह उसे 9 बार डंसेगा। इसमें वह 8 बार तो बच जाएगा लेकिन 9वीं बार उसे दुनिया की कोई ताकत नहीं बचा सकेगी। लेकिन क्या आपको पता है कि एक व्यक्ति ऐसा भी था, जिसे जहरीले सांपों ने 172 बार काटा था। लेकिन फिर भी उसकी जान बच गई। 20 बार तो उसकी हालत इतनी गंभीर हो गई कि मरते-मरते बचा थ। उस शख्स की मौत वर्ष 2011 में हुई थी और वह 100 साल की जिंदगी पूरी करके मरा था। इस शख्स को अमेरिका में स्नेक मैन के नाम से जाना गया।

इस शख्स का नाम बिल हास्ट था। दरअसल, बिल हास्ट चाहता था कि वह सांपों से बार बार खुद को कटवाकर एक प्रतिरक्षा डेवलप कर ले। उसको बचपन से ही सांपों के प्रति एक खास आकर्षण था। पहले सांपों को लेकर करतब दिखाता था लेकिन बाद में उसने सांपों का अजायबघर ही खोल दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, बिल हास्ट की आधिकारिक साइट कहती है कि बिल हास्ट को जिंदगीभर में करीब 172 सांपों ने काटा। हालांकि ये साइट ये भी कहती है कि ये संख्या एक अनुमान है, क्योंकि उन्होंने कभी भी वयस्क या किशोर सांपों के खरोंच, काटने या एक नुकीले इंजेक्शन को गिनती में नहीं गिना।

बाद में हास्ट ने फ्लोरिडा में एक मियामी सर्पेटेरियम बनाया। उस सर्पेटेरियम में हजारों की संख्या में हर नस्ल और खतरनाक सांप थे। बिल सर्पेटेरियम में आने वाले लोगों के लिए शो आयोजित करते थे। असल में उसका मुख्य व्यवसाय सांप के काटने के खिलाफ दवा बनाने के लिए कच्चे जहर का उत्पादन करना था। 1990 के दशक तक वह हर साल दवा प्रयोगशालाओं को जहर के 36,000 नमूने उपलब्ध कराते थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, बिल हास्ट के पास 10,000 से ज़्यादा दुनियाभर के सांप थे। उसमें समुद्री, अफ्रीकी, कॉटनमाउथ, रैटलस्नेक, कोबरा, क्रेट, ग्रीन माम्बा, टाइगर स्नेक और वाइपर सहित तमाम जहरीली प्रजातियां थीं। बिल होस्ट को उनकी जिंदगी 172 बार सांपों द्वारा काटे जाने की एक खास वजह थी। दरअसल, बिल हास्ट अपने नंगे हाथों से जहरीले और खतरनाक सांपों को पकड़कर उनके जबड़े खोलते थे। इसके बाद उनके नुकीले दांतों को रबर की झिल्ली में घुसा देते थे, जिससे ज़हर की बूँदें कांच की शीशी में गिरती थीं। एंटीवेनिम बनाने के लिए पर्याप्त ज़हर बनाने में हज़ारों बार ये काम करना पड़ता था। यह काम करते हुए जहरीले सांप उसे काट लेते थे। कई बार तो उसकी हालत बहुत ज्यादा खराब हो जाती थी और कई बार वह मरते मरते बचा। इससे बचने के लिए बिल हास्ट ने खुद को कोबरा के जहर की पतली मात्रा इंजेक्शन के साथ लेनी शुरू कर दी। जिससे कि उनका शरीर एंटी वेनम प्रतिरक्षा हासिल कर ले। धीरे धीरे उसने इंजेकशन में जहर की मात्रा बढ़ाई। इससे फायदा ये हुआ कि उन्हें ज्यादातर सांपों के काटने से उसका कोई असर नहीं होता था। हालांकि जब बिल हास्ट ऐसा कर रहे थे तब कई डॉक्टरों ने कहा था कि वो अगर ऐसा करते रहे तो मर जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

हालांकि 1954 में जब दुनिया के सबसे जहरीले सांपों में से एक नीले क्रेट ने उन्हें काटा तो वह मरते मरते बचे। ऐसा कहा जाता है कि नीले क्रेट सांप के काटने के बाद कोई जीवित नहीं रहता। लेकिन बिल हास्ट को काटने के 10 दिनों बाद उस सांप की ही मौत हो गई। समय के साथ हास्ट का खून ऐसा हो गया कि उनके खूब से सांप काटने वालों का इलाज हुआ। इससे दुनियाभर में 20 से ज्यादा लोगों की जान बचाने में मदद मिली। बिल हास्ट 100 साल जीते रहे और दावा करते थे कि उनकी लंबी उम्र का असली रहस्य सावधानीपूर्वक उनके द्वारा विष की नियंत्रित खुराक लेते रहता था। वे 90 साल की उम्र होने पर भी फिट और फुर्तीले थे।

विस में हार के डर से भाजपा ने एलजी को सौंपी शक्तियां

जम्मू कश्मीर के कांग्रेस प्रभारी ने एनडीए सरकार को घेरा

» भरत सिंह सोलंकी बोले- आतंकवाद पर नकेल कसने में भाजपा पूरी तरह से विफल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू कश्मीर कांग्रेस के प्रभारी भरत सिंह सोलंकी ने कहा कि भाजपा प्रदेश में सत्ता बनाए रखने के लिए सभी हथकंडे अपना रही है। भाजपा जानती है कि प्रदेश विधानसभा चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा। इसलिए उपराज्यपाल को और अधिक दी गई हैं, ताकि राज बना रहे। सोलंकी ने कहा कि आतंकवाद पर नकेल कसने के लिए भाजपा पूरी तरह से विफल रही है।

भाजपा के सभी दावे खोखले साबित हुए हैं। जम्मू संभाग में आतंकवाद फिर पनप रहा है। भाजपा चाहती है कि वह चुनाव जीते या ना जीते लेकिन सत्ता में रहे इसलिए उसने उपराज्यपाल को अतिरिक्त शक्तियां दे दी हैं, जिससे अन्य दल विधानसभा में पहुंचकर भी शक्तिहीन रहेंगे। कांग्रेस विभिन्न मुद्दों को लेकर वीरवार से राज्य स्तरीय विरोध प्रदर्शन करेगी और जनता के बीच भाजपा की गलत नीतियों को उजागर करेगी।

प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और रक्षामंत्री ने खोया विश्वास

उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री के बयानों पर विश्वास करते थे कि वे सामान्य स्थिति लाएंगे, मुद्दों का समाधान करेंगे, कश्मीर में लोगों को सशक्त बनाएंगे। लेकिन यह देखा गया कि उल्टा चक्र चल रहा था, आतंकवादी गतिविधियां बढ़ गईं, नागरिक मारे गए। सामान्य स्थिति तभी आएगी जब लोगों का शासन होगा, राज्य का दर्जा होगा। वे (भाजपा) जानते हैं कि वे चुनाव हार जाएंगे और इसीलिए उन्होंने एलजी की शक्ति बढ़ा दी है, वे किसी भी तरह जम्मू-कश्मीर में सत्ता बनाए रखना चाहते हैं।

संभावित विस चुनाव पर मंथन शुरू

चुनावों को लेकर जम्मू में राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ रही है। भाजपा, कांग्रेस के बाद अब नेकां ने भी गतिविधियां बढ़ाई है। नेकां ने जम्मू संभाग में जनसंवाद को बढ़ाने के लिए सार्वजनिक सभाओं के आयोजन का सिलसिला 21 जुलाई को नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला के जम्मू के एक दिवसीय दौरे से शुरू कर रही है। वह सांबा जिला में विजयपुर विधानसभा क्षेत्र के गुड़ा सलाथिया में रामलीला मैदान में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। नेकां के प्रांतीय अध्यक्ष रत्न लाल गुप्ता ने कहा कि पार्टी जम्मू संभाग में जनसभा की शुरूआत गुढ़ा सलाथिया से करेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में अनंतनाग-राजोरी की सीट में जम्मू संभाग की सात विधानसभा हलके थे, जिनमें पार्टी का प्रदर्शन शानदार रहा था। सभी सात विधानसभा हलकों में पार्टी उम्मीदवार बड़े मतों से जीते थे। ऐसे में संभावित विधानसभा चुनावों में पार्टी को जम्मू संभाग से बड़ी उम्मीदें हैं। जम्मू संभाग में पार्टी अपनी गतिविधियों में तेजी से विस्तार कर रही है। लोगों की आवाज बन रही है। जम्मू संभाग में आतंकी हमले वर्तमान सरकार की गलत नीतियों का परिणाम हैं।

आतंकवादियों ने जम्मू पर ध्यान किया केंद्रितः कर्ण

» बोले कांग्रेस नेता- पश्चिमी कमान से उत्तरी कमान को सौंपा जाए जम्मू संभाग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू संभाग में आतंकी हमलों की हालिया घटनाओं पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. कर्ण सिंह ने कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है कि आतंकवादियों ने अब जम्मू पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है। दहशतगर्दों ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। ऐसे में जम्मू संभाग को सेना की पश्चिमी कमान से नगरोटा स्थित उत्तरी कमान को सौंपा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, वर्षों से आतंकवादी कश्मीर घाटी में अपनी वारदातों को अंजाम देते रहे हैं। बड़ी मुश्किल और हिम्मत के साथ उन्हें काबू में किया गया...ऐसा लगता है कि अब उन्होंने जम्मू पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा, पिछले 6 महीनों में हमने अपने कई जवानों और लोगों को खोया है... यह बहुत गंभीर मामला है... इसका मतलब है कि प्रशासन का स्थिति पर पूरा नियंत्रण नहीं है। ऐसा नहीं होना चाहिए... मेरा एक सुझाव है कि सेना का जम्मू डिवीजन हमेशा से उधमपुर यानी उत्तरी कमान के साथ रहा है। कुछ साल पहले इसे अलग करके पश्चिमी कमान से जोड़ दिया गया था, जो जम्मू से काफी दूर है मैं कोई विशेषज्ञ नहीं हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अगर इसे फिर से नगरोटा लाया जाता है, तो यह एक ही इकाई होगी। ज्ञात हो कि जम्मू संभाग के डोडा जिले में सोमवार रात आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान एक अधिकारी समेत चार भारतीय सेना के जवान शहीद हो गए।

आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे सरकार : नेकां

जम्मू संभाग में आतंकवादी हमलों में हुई वृद्धि पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए नेशनल कांफ्रेंस के अतिरिक्त महासचिव और पूर्व मंत्री अजय कुमार सढोत्रा ने केंद्र की एनडीए सरकार पर आतंकवाद पर नीतिगत निष्क्रियता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि स्थिति से निपटने में ढिलाई राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अच्छा नहीं है। जम्मू-कश्मीर में शांति और सामान्य स्थिति के बड़े-बड़े दावों पर सवाल उठाया। सरकार अपनी पीठ थपथपाने की बजाय, आतंकवाद से निपटने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, नहीं तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाएगी।

कांग्रेस का टिकट पाने के लिए बड़े नेताओं की चप्पल उठानी पड़ेगी : अजय

» जजपा अध्यक्ष ने हुड्डा पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फतेहाबाद (हरियाणा)। जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने फतेहाबाद में कार्यकर्ताओं की बैठक के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर अमर्यादित टिप्पणी कर डाली। चौटाला ने कहा कि हुड्डा हरियाणा में सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं। मगर उनकी खुद की टिकट के लाले भी पड़ सकते हैं, उनको टिकट के लिए सोनिया गांधी की धोती उठानी पड़ेगी।

राहुल का कुर्ता पकड़ना पड़ेगा, प्रियंका गांधी की चुनरी और केसी वेणुगोपाल की चप्पल उठानी पड़ेगी, तब जाकर उन्हें टिकट मिलेगी। कहां से सरकार आएगी। प्रजातंत्र में यह फैसला जनता जनार्दन करती है। वे फतेहाबाद में जाट धर्मशाला में जजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। चौटाला ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए, नया संगठन खड़ा करने में लगे हुए हैं। लोग चाहेंगे तो हमारे परिवार का कोई सदस्य फतेहाबाद हल्के से चुनाव लड़ लेगा। यह तो लोगों की इच्छा पर निर्भर करता है। बाकी विधानसभा चुनाव घोषित होने में अभी समय है, तब तक इंतजार करना होगा।

ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ किया प्रदर्शन

» मोहनलालगंज में डायरिया से कई बच्चे बीमार

» मेयर और नगर आयुक्त व सीएमओ ने किया गांव का निरीक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मोहनलालगंज कल्ली पश्चिम और गजवरियन खेड़ा में डायरिया की चपेट में बड़ी संख्या में ग्रामीण आ गए हैं। मामला सामने आने के बाद नगर निगम ने से लेकर स्वास्थ्य महकमा नींद से जागा है। हालात का जायजा लेने के लिए मेयर, नगर आयुक्त और दो सीएचसी अधीक्षक मौके पर गए थे। मौके पर पहुंचकर गांव का निरीक्षण कर ग्रामीणों से जानकारी ली।

इसके बाद स्वास्थ्य टीम ने गांव से पानी और स्टूल सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजे दिया है। गजवरियन खेड़ा में बीते कई दिनों से गांव में बड़ी संख्या में ग्रामीण बुखार, उल्टी और दस्त से ग्रसित है। बीते शुक्रवार को रामलाल (17) की मौत भी हो गई थी। मौत की वजह अभी साफ तौर पर स्पष्ट नहीं हो पाई है। फिलहाल इलाके में एहतियातन पीएचसी के डॉक्टरों ने ओआरएस और दवाइयां वितरित करना शुरू कर दिया है। वहीं मेयर सुषमा खर्कवाल ने बुधवार को मौके पर पहुंचकर मृतक के परिवार से मुलाकात की। इसके साथ ही मेयर ने बुखार से ग्रसित अन्य परिवार से भी मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने पानी का टेस्टिंग का निर्देश दिया है। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग पानी सैंपल के तौर पर जांच के लिए ले गए हैं। उधर, नगर निगम जोन आठ के सफाई कर्मियों ने क्षेत्र में कूड़े के ढेर सहित नालियों की साफ सफाई शुरू कर दी है।

बुखार के बाद बच्चों को सिविल अस्पताल में कराया गया भर्ती

बुधवार को तेज बुखार के बाद पप्पू (65) ,शिव बाल (60) को सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया हैं। जबकि रुचि (30),काजल (18),ममता (12)को मोहनलालगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती करवाया गया है। जबकि गांव में अब भी बड़ी संख्या में लोग उल्टी-दस्त की समस्या से परेशान हैं। सरोजनीनगर के सीएचसी अधीक्षक डॉ सीके यादव ने बताया कि गांव में नेशनल मेडिकल यूनिट वैन लगाकर 71 लोगों को दवाएं वितरित की गई है। जिसमें चार से पांच लोगों को डायरिया के मामूली लक्षण है। उन्हें दवाएं दे दी गई हैं।

भाजपा नेता से परेशान गाड़ी मालिक ने दे दी जान

» शाहजहांपुर का है मामला, परिजनों ने पुलिस से लगाई गुहार नहीं हुई सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा से जुड़े दबंगों के दबाव से आजिज आकर गाड़ी मालिक ने पेट्रोल डालकर अपनी जान दे दी। परिजनों के आरोप है कि पुलिस ने दबंगों के साथ मिलकर जान देने के लिए विवश किया था। दरअसल मामला सेहरान कस्बा व धाना कांट, जिला शाहजहांपुर का है।

पीड़ित की पत्नी मैनाज बानो ने शिकायत में कहा है कि उसके पति ताहिर अली पुत्र निसार अली निवासी मो सेहरान कस्बा व धाना कांट, के रहने वाले थे। उसके पति ने दो महिन्द्रा पिकअप रजि यूपीडब्ल्यू-एटी-8561 क्लोज बॉडी व रजि-यूपीडब्ल्यू-बीटी-1742 के पंजीकृत स्वामी थे। दोनों वाहन लगभग डेढ़ दो वर्ष पूर्व उमेश तिवारी पुत्र सुशील चन्द्र तिवारी निवासी ग्राम नगरिया वहाब (चिनौर) थाना सदर बाजार, नगर शाहजहांपुर को किराए पर दिये थे। उमेश तिवारी ने शुरूआत में किराया दिया परन्तु बाद में किराया देना बन्द कर दिया जब पति ने गाडियां वापस मांगी तो तिवारी ने गाडियां देने से भी मना कर दिया। इसकी शिकायत थाना सदर बाजार व पुलिस अधीक्षक शाहजहांपुर से गाडियां वापस दिलवाने की गुहार लगायी। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर 3/10/2023 को उक्त दोनों वाहन बरामद करके कैन्ट चौकी, शाहजहांपुर में खड़े कर दिए गये। 16/10/2023 को मेरे पत्ति ने अपने स्वामित्व के समस्त कागजात दिखाकर उक्त दोनों वाहन अपनी सुपुर्दगी में ले लिए और अपने घर ले जा रहे थे तभी कैन्ट तिकुनिया में उमेश तिवारी ने अपने तीन-चार अज्ञात साथियों के साथ मय असलाह के उसके पति को घेरा और मारपीट की व गाड़ियां छीनने की कोशिश की।

घर में घुसकर उठा ले गए गाड़ियां

लगभग डेढ़ माह पूर्व राजनैतिक दवाब में थाना सदर बाजार के प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र कुमार सिंह के कहने पर चौकी इंचार्ज व तीन-चार सिपाहियों के साथ उमेश तिवारी ने घर ने घुसकर गन्दी गन्दी गालियां दी और मेरे पति के भाई व मां के साथ मारपीट की और सामान तोड़ दिया और दोनों गाडियों की चाबी लेकर उक्त दोनों गाडियां जबरन उठा लाये और कैन्ट चौकी में खड़ी कर दी। उसके बाद उक्त दोनों गाडियां यहां से हटाकर चौकी शहवाजनगर पर खड़ी कर दी, शहवाजनगर चौकी पर गाडियाँ खड़ी होने की फोटो व वीडियो मौजूद हैं। प्रार्थिनी व उत्तके प्रभारी निरीक्षक सदर बाजार से मिलें और गाडियों देने को कहा परन्तु इन्सपेक्टर साहब ने कहा कि उक्त गाडियां न्यायालय के आदेश पर दी जायेगी ।

आरएसएस के लेख के बाद महाराष्ट्र में मचा सियासी घमासान

शरद गुट का दावा- अजित पवार पर महायुति छोड़ने का दबाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले एनसीपी (अजित गुट) में सियासी हलचल काफी तेज हो चुकी है। वहीं संघ के मैगजीन में छपे लेख को लेकर भी घमासान मचा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने आरएसएस से जुड़े मराठी साप्ताहिक में एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि यह उपमुख्यमंत्री अजित पवार को सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन छोड़ने के लिए एक सूक्ष्म संदेश है।

बता दें कि बुधवार को महाराष्ट्र के पिंपरी चिंचवाड़ में राष्ट्रवादी

कांग्रेस पार्टी से चार बड़े नेताओं ने इस्तीफा दे दिया है। आरएसएस के मैगजीन में दिए गए एक लेख में कहा गया है कि लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में बीजेपी का प्रदर्शन इसलिए खराब रहा क्योंकि बीजेपी ने अजित पवार की पार्टी एनसीपी के साथ गठबंधन किया।

घर में सभी के लिए जगह : शरद पवार

शरद पवार से जब पूछा गया कि क्या उनके भतीजे और महायुति सरकार में वर्तमान उपमुख्यमंत्री का पार्टी में स्वागत किया जाएगा। इसपर उन्होंने कहा कि घर में सभी के लिए जगह है। इस तरह के फैसले व्यक्तिगत स्तर पर नहीं लिए जा सकते। संकट के दौरान मेरे साथ खड़े मेरे सहयोगियों से पहले पूछा जाएगा।

अजित से दूरी बनाना चाहती है भाजपा : क्लाइड क्रैस्टो

राकांपा (शरद गुट) के प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने कहा कि लोकसभा चुनाव में झटका लगने के बाद, भाजपा महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव जीतने की कोशिश कर रही है, लेकिन बीजेपी को अहसास हो रहा है कि लोकसभा चुनाव के तरह ही आगामी विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन को नुकसान होगा। क्लाइड क्रैस्टो ने आगा दावा किया कि महाराष्ट्र के मतदाताओं ने राकांपा और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ भाजपा के गठबंधन को स्वीकार नहीं किया है।

हरकत में आए अजित पवार, पुणे के पार्टी नेताओं की बुलाई बैठक

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता और उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने पुणे के पिंपरी चिंचवाड़ के पार्टी नेताओं से मुलाकात की। इससे पहले, बुधवार को पुणे में शरद पवार की मौजूदगी में राकांपा के 29 पार्षद राकांपा (शरद चंद्र पवार) पार्टी में शामिल हुए।

नीट यूजी पेपर लीक केस में पटना एम्स के तीन डॉक्टर हिरासत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तीनों को अपने साथ ले गई सीबीआई

पटना। नीट यूजी पेपर लीक केस में सीबीआई ने पटना एम्स के तीन डॉक्टरों को हिरासत में लिया है। टीम तीनों को अपने साथ ले गई है। तीनों के लैपटॉप और मोबाइल भी जब्त कर लिए गए हैं। इन पेपर लीक केस में संलिप्त होने का आरोप है। तीनों डॉक्टर 2021 बैच के स्टूडेंट हैं।

बता दें कि सीबीआई ने इस केस में दो दिन पहले ही नीट के पेपर को चुराने के आरोप में पंकज कुमार को पटना से गिरफ्तार किया था। वहीं इसके साथी राजू को हजारीबाग से पकड़ा था। सूत्रों का कहना है कि पंकज और राजू से पूछताछ के आधार पर सीबीआई को कई अहम सुराग हाथ लगे हैं। इनकी निशानदेही पर पटना एम्स के तीन डॉक्टरों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। सीबीआई ने इन तीनों के कमरे को सील कर दिया है। बताया जा रहा है कि पंकज कुमार ने ही एनटीए द्वारा भेजे एनटीए के प्रश्न पत्र को चुराया था। इसके बाद इसी पेपर को आगे भेजा गया था। यही पेपर वायरल हुआ था। पंकज मूल रूप से बोकारो का रहने वाला है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के हमले में दो जवान बलिदान, चार घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जगदलपुर/बीजापुर। बीजापुर के तर्रेम थाना इलाके के मंडिमरका के जंगल में सर्चिंग से लौट रहे जवानों के ऊपर नक्सलियों ने घात लगाकर पाइप बम के माध्यम से आईईडी ब्लास्ट किया, इस घटना में जहां दो जवान शहीद हो गए, वहीं चार घायल हो गए हैं। बीजापुर में आईईडी ब्लास्ट हुआ है। इसमें दो जवान बलिदान हो गए हैं। जबकि चार जवान घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। खराब मौसम के कारण परेशानी आ रही है।

जानकारी के अनुसार, जिले के तर्रेम थाना इलाके के मंडिमरका के जंगल में सर्चिंग से लौट रहे जवानों के ऊपर नक्सलियों ने घात लगाकर पाइप बम के

माध्यम से आईईडी ब्लास्ट किया, इस घटना में जहां दो जवान शहीद हो गए, वहीं चार घायल हो गए हैं।

बताया जा रहा है कि सीआरपीएफ, कोबरा, सीएएफ, डीआरजी और एसटीएफ के जवान एंटी नक्सल ऑपरेशन पर निकले हुए थे, बुधवार को जवान वापस लौट रहे थे कि नक्सलियों द्वारा लगाए गए पाइप बम को बीती रात तर्रेम थाना इलाके के मंडिमरका के जंगलों में ब्लास्ट कर दिया। घटना में एसटीएफ के प्रधान आरक्षक भरत लाल साहू और आरक्षक सतेर सिंह का बलिदान हो गया। जबकि पुरषोत्तम नाग, कोमल यादव, सियाराम सोरी और संजय कुमार घायल हो गए, घायलों को बेहतर उपचार के लिए, जिला अस्पताल बीजापुर लाया गया है, यहां उनका इलाज चल रहा है।

घायलों की स्थिति को देखते हुए उन्हें रायपुर ले जाने की तैयारी की जा रही है, लेकिन खराब मौसम के चलते हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर पा रहा है, फिलहाल घटना के बाद से इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। घटना पर अभी तक किसी बड़े अधिकारी का बयान नहीं आया है।

ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की मां मनोरमा गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। आईएएस ट्रेनी अधिकारी पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर को पुणे पुलिस ने कथित तौर पर अवैध बंदूक रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मनोरमा खेडकर की गिरफ्तारी हाल ही में ऑनलाइन सामने आए एक वायरल वीडियो से हुई है, जिसमें उन्हें पुणे जिले के मुलशी गांव में जमीन विवाद को लेकर स्थानीय किसानों से भिड़ते हुए पिस्तौल लहराते हुए दिखाया गया है।

किसानों को धमकाने के बाद पूजा खेडकर की मां का एक और वीडियो सामने आया था। पूजा खेडकर की मां का पुणे में मेट्रो रेल निर्माण श्रमिकों के साथ कथित तौर पर बहस करने का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। कुछ दिनों पहले भी खेडकर की मां का एक और वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह

पिस्तौल लेकर लोगों के एक समूह को धमका रही थीं। वीडियो में खेडकर की मां मनोरमा मेट्रो रेल निर्माण श्रमिकों से बहस करती नजर आ रही हैं, जहां कुछ पुलिसकर्मी भी मौजूद हैं। हालांकि, 27 सेकेंड की यह क्लिप किस तारीख की है, इसका पता नहीं चल पाया है।

हुड्डा के करीबी राव दान सिंह के आवास पर छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ईडी ने सुबह-सुबह कांग्रेस एमएलए के ठिकानों पर दी दबिश

महेंद्रगढ़ (हरियाणा)। हरियाणा के महेंद्रगढ़ में कांग्रेस विधायक राव दान सिंह के आवास पर ईडी की दबिश की सूचना है। अलसुबह केंद्रीय एजेंसी की टीम उनके एक आवास पर देखी गई है। दान सिंह ने भिवानी से कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़ा था।

महेंद्रगढ़ से चार बार विधायक रहे राव दान सिंह के महेंद्रगढ़ निवास पर सुबह 4 बजे ईडी की टीम पहुंची है। अंदर किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक है। निवास स्थान के चारों ओर पुलिसकर्मियों की तैनाती है। अंदर टीम रिकॉर्ड खंगाल रही है। राव दान सिंह के सिगड़ी गांव स्थित फार्म हाउस तथा महेंद्रगढ़ आवास पर दो टीम जांच कर रही हैं। वह हरियाणा के बड़े शिक्षा संस्थान के मालिक हैं। दान सिंह

महेंद्रगढ़ शहर से विधायक हैं। एक दिन पहले ही महेंद्रगढ़ में गृह मंत्री अमित शाह ने रैली की थी।

राव दान सिंह कांग्रेस में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के भी करीबी हैं। कांग्रेस ने भिवानी महेंद्रगढ़ से राव दान सिंह को इस लोकसभा चुनाव में टिकट दिया था। यहां से किरण चौधरी की बेटी श्रुति चौधरी का टिकट कटा था, जिसके बाद दोनों खेमों में आपसी खींचतान दिखी थी और किरण चौधरी ने भाजपा का दामन थाम लिया था।

विधानसभा चुनाव में बन सकता है मुद्दा

भाजपा सरकार पर ईडी के दुरुपयोग के आरोप लगते रहे हैं। ऐसे में हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस एमएलए के आवास पर ईडी की दबिश राजनीति में चर्चा का विषय बन सकती है। वहीं महेंद्रगढ़ में एक दिन पहले ही केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रैली भी की थी। दान सिंह की उम्र 64 साल है और एमए, एलएलबी, एमबीए, कानून और व्यक्तिगत प्रबंधन में डिप्लोमा किया हुआ है। राव दान सिंह प्रदेश व केंद्रीय नेतृत्व के करीबी हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** – संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।